माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

430

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक B-23 1336784

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

-	2	3	1	1	2	7	9	3	8

शब्दों में

-	दो	तीन	एक	एक	दो	सात	नौ	तीन	आठ

नीचे दिए गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

प्रश्न पत्र का सेट A

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक टीन शेड - 02

ख :- परीक्षा का दिनांक 06 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S. EXAM-2023 C.No.-111014

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

डॉ. मनीषा राठौर
(उ.मा.शि.) V.No. 524
Mob : 7748978394

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में

www.oddyindia.com

ST-16A
33.9mm x 16
Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4
99.1mm x

3 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 3 का योग कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 01 का उत्तर

1.

उ०

(i) (घ) विषाणु ।

(ii) (स) 95%.

(iii) (द) उत्तर प्रदेश ।

(iv) (स) मेहिनो ।

(v) (अ) 0.5 %.

(vi) (अ) रज्जतनगर ।

BSE

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 02 का उत्तर

2.

उ॰

(i) खुरपका – मुँहपका रोग के लक्षण प्रकट होने की अवधि 1 – 6 दिन है।

(ii) लोही भेड़ का मूल स्थान पाकिस्तान का मुलतान शहर है।

B

S (iii) पश्मीना कश्मीरी बकरी से प्राप्त होता है।

E (iv) फाउल पॉक्स रोग का रोग जनक फिल्टर पासिंग विषाणु है।

(v) पुलोरम रोग साल्मोनेला पुलोरम जीवाणु द्वारा फैलता है।

(vi) कुल्फी एक देशी हिमीकृत दुग्ध उत्पाद है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 3 का उत्तर

उत्तर:

(i) शहरी बकरी → (e) बरबरी

(ii) पूगल → (b) विदेशी भेड़

(iii) पिंजरा प्रणाली → (c) मुर्गीपालन

(iv) विटामिन "ए" → (a) रूप रोग

(v) टोगेन बर्ग → (d) विदेशी बकरी

EDUCATION, MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 04 का उत्तर

4.

उ॰

(i) विषाणु ।

(ii) अनैला रोग ।

(iii) आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड ।

(iv) नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड ।

(v) फुहार शुष्कन विधि ।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक –05 का उत्तर

5.

उ०

(i) सत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) सत्य ।

असत्य ।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

मध्यप्रदेश

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 06 का उत्तर

6.

उ० संतुलित आहार :–

संतुलित आहार, वह आहार है जिसमें अमुक पशु की सभी आवश्यकताएँ पूर्ण होकर पशु को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में प्राप्त होते हैं।

प्रश्न क्रमांक — 07 का उत्तर

7.

उ० पशु आहार के अवयव :–

(i) जल,
(ii) प्रोटीन,
(iii) वसा,
(iv) कार्बोहाइड्रेट,
(v) खनिज लवण,
(vi) विटामिन्स।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 08 का उत्तर

8.

उ॰ साइलेज के लाभ निम्न हैं :–

(i) साइलेज खिलाने से चारे की बचत होती है तथा साइलेज सूखे चारों की अपेक्षा कम स्थान घेरती है।

साइलेज पौष्टिक अवस्था में अधिक अवस्था में अधिक समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है।

प्रश्न क्रमांक – 09 का उत्तर

9.

उ॰ अच्छी साइलेज के गुण निम्न हैं :–

(i) अच्छी साइलेज का PH मान 3.4 से 4.2 होता है तथा साइलेज चमकदार से रंग की होती है।

(ii) अच्छीसाइलेज में ब्यूटाइरिक अम्ल बिल्कुल नही होता जबकि कैरोटीन की मात्रा अधिक होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 10 का उत्तर
अथवा

10.

उ०

(i) कैथेटर :-
उपयोग :- कैथेटर पशु की पेशाब बंद होने पर पेशाब निकालने का काम करता है।

(ii) स्पैचुला :-
उपयोग :- स्पैचुला पशुओं को तरल रूप से दवा पिलाने के काम आता है।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर
अथवा

11.

उ० पशुओं को दवा देने की बाह्य विधि :-

(i) पाउडर के रूप में :-

लाल दवा का पाउडर छिड़ककर बाँधने से जहर का प्रभाव कम हो जाता है।

(ii) पुल्टिस द्वारा दवा का प्रयोग :-

पशुओं को फोड़े - फुंसियाँ होने पर अलसी या सरसों के तेल में दवा मिलाकर लेप चढ़ा दिया जाता है जिससे पशुओं को आराम मिल जाता है।

प्रश्न क्रमांक - 12 का उत्तर

12.

उ० मछली - पालन के लाभ निम्न हैं :-

(i) मछलियाँ प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। अत: इन्हें भोजन के रूप में ग्रहण कर सकते हैं।

(ii) मछलियों से कई प्रकार के औद्योगिक उत्पाद जैसे :- खाद का निर्माण, स्याही का निर्माण, गोंद का निर्माण आदि तैयार किए जाते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

13.

उ० शूकर - पालन के लाभ निम्न हैं :-

(i) शूकर मांस निर्यात से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है तथा शूकर के बाल एवं चर्म से विभिन्न उत्पाद तैयार कर आय की प्राप्ति होती है।

(ii) शूकर दूसरे पशुओं की तुलना में अधिक माँस उत्पादन करते हैं एवं इनकी हड्डियाँ खाद बनाने में प्रयोग की जाती हैं। इनके मल - मूत्र से उच्च गुणवत्ता की खाद प्राप्त होती है।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 1

पृष्ठ 12 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

14.

उ० मक्खन की उपयोगिता :-

(i) मक्खन डबल - रोड रोटी के साथ लगाकर खाया जाता है।

(ii) मक्खन से आइसक्रीम तथा घी आदि तैयार किए जाते हैं।

(iii) मक्खन बेकरी में क्रीम - रोल एवं पेस्ट्री के साथ लगाकर खाया जाता है।

प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर

15.

उ० दही का संघटन

क्र.	अवयव	पूर्ण दुग्ध का दही	सप्रेटा दुग्ध का दही
1.	जल	85 - 89	90 - 91
2.	वसा	5 - 7	0.05 - 0.2
3.	प्रोटीन	2.3 - 3.8	3.2 - 3.5

न क्र.			
4.	दुग्धम	4.4 – 4.8	4.5 – 4.9
5.	दुग्धाम्ल	0.5 – 1.0	0.5 – 1.0
6.	खनिज लवण	0.7 – 0.8	0.7 – 0.8
7.	कैल्शियम	0.12 – 0.14	0.12 – 0.14
8.	फॉस्फोरस	0.93 – 0.98	0.93 – 0.98

प्रश्न क्रमांक – 16 का उत्तर

16.

उ० आइसक्रीम और कुल्फी में अंतर

आइसक्रीम	कुल्फी
आइसक्रीम फेंटा हुआ हिमीकृत खाद्य पदार्थ है।	कुल्फी हिमीकृत किया गया दुग्ध उत्पाद है।
आइसक्रीम का संघटन निश्चित है।	कुल्फी का संघटन निश्चित नही है।
3. आइसक्रीम बनाना आसान नहीं है।	कुल्फी बनाना आसान है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 17 का उत्तर

17.

उ० दुग्ध चूर्ण बनाने के उद्देश्य :-

(i) मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु।

(ii) ऐसे बच्चे जिन्हें माँ का दूध नहीं मिलता उनकी पूर्ति के लिए।

(iii) ऐसा स्थान जहाँ दूध उपलब्ध नहीं होता वहाँ दूध की पूर्ति हेतु।

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 18 का उत्तर

18.

उ॰ पशु जाँच के उद्देश्य :–

(i) पशु के स्वास्थ्य एवं उम्र की जानकारी प्राप्त करना।

(ii) पशु जाति का विकास करना।

(iii) पशु के शरीर-भार, दुग्ध उत्पादन तथा आयु के अनुसार आहार नियत करना

(iv) पशुओं की विभिन्न नस्लों के अनुसार दुग्ध उत्पादन का अनुमान लगाना।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 19 का उत्तर

19.

उ॰ भारतीय अर्थव्यवस्था में मुर्गीपालन के महत्व :-

(i) मुर्गीपालन हेतु अधिक भूमि एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है।

(ii) फसल उत्पादन में कुक्कुट खाद का पर्याप्त योगदान है।

(iii) भारतीय अर्थव्यवस्था में मुर्गीपालन एक विशेष कुटीर उद्योग धंधा है।

(iv) अण्डे में प्रोटीन का अपार भण्डार है। अण्डे का अगर उत्पादन व्यय निकाला जाए तो दालों से प्राप्त प्रोटीन से बहुत कम होता है।

(v) मुर्गीपालन के व्यवसाय को बहुत कम समय में आय मिलने लगती है जिससे बेरोजगारी की समस्या कम होती है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक :20 का उत्तर

20 उ०

रोग :- रानीखेत

(i) रोगजनक :- रानीखेत रोग पैरामिक्सो समूह के विषाणु टाइप - 1 के द्वारा होता है। यह विषाणु नग्न आँखों से दिखाई नहीं देता है।

(ii) लक्षण :-

(i) एक साथ कई मुर्गियाँ बीमार पड़ जाती हैं।

(ii) कुक्कुट श्वास न लेने के ले पाने के कारण मुँह खुला रखते हैं।

(iii) सिर, गर्दन तथा टाँगों को लकवा मार जाता है।

(iv) मुर्गकेश का रंग गहरा या बैंगनी रंग का हो जाता है।

(v) मुर्गियों को दस्त लग जाते हैं।